नौरादेही में भेडिया के ऊपर राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

आज दिनांक 07/03/2024 को राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा नौरादेही वन्यप्राणी वन मण्डल के सहयोग से प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा स्वीकृत Wolf परियोजना के अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का मोहली ट्रेनिंग सेन्टर में आयोजित किया गया है। जिसमें Wolf परियोजना के ऊपर भविष्य की रणनीति तैयार किया गया है ताकि परियोजना आकडे सुचारु रुप से एकत्रित किया जा सके एवं प्रदेश की भेडियों के ऊपर सर्वप्रथम दीर्घ कालीन परियोजना की सटीक निष्कर्ष निकल सके। उक्त परियोजना का मुख्य उद्येश्य है वर्ष 2018 के बाघ पुर्नस्थापना के उपरांत नौरादेही में भेडिया का वर्तमान वस्तुस्थिति का अनुसंधान किया जाना। परियोजना में रेडियों टेलोमेट्री, कैमरा ट्रैप आदि आधुनिक उपकरण का उपयोग किया जायेगा ताकि भेडिया द्वारा गारा, प्रजनन आदि जानकारी एकत्रित किया जा सके। वर्तमान में मध्य प्रदेश को बाघ एवं तेंदुआ स्टेट के साथ-साथ भेडिया स्टेट के नाम से भी जाना जाता है। अतः इस प्रकार की अनुसंधान इस संकटपन्न मांसाहारी प्राणी की संरक्षण के लिए दिशा निर्देश तैयार करेगा।

आज की कार्यशाला में क्षेत्रीय स्तर से परियोजना के अन्तर्गत आकडे कैसे एकत्रित किया जायेगा उसके ऊपर विस्तृत चर्चा किया गया था एवं Wolf परियोजना के ऊपर संस्थान के वैज्ञानिक तथा परियोजना के प्रभारी डॉ0 अनिरुद्ध मजूमदार द्वारा विस्तृत रुप से प्रस्तुतिकरण दिया गया है। कार्यशाला संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा, उप संचालक श्री रविन्द्र मणि त्रिपाठी के मार्गदर्शन में एवं वनमण्डलाधिकारी नोरादेही श्री अब्दुल अलीम अंसारी के उपस्थिति में सम्पन्न हुआ जिसमें नौरादेही के वन अमले भी उपस्थित रहे है। संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर सहयोग के बारे एवं आकडे के गुणवत्ता के लिए विशेष ध्यान रखने की बात किया गया है। उप संचालक श्री रविन्द्र मणि त्रिपाठी द्वारा अमरिका स्थित येलोस्टोन राष्ट्रीय उद्यान में क्रियान्वित भेडिया के ऊपर शोध कार्य यहॉ भी करने की अपेक्षा रखे है। कार्यशाला में श्री अब्दुल अलीम अंसारी द्वारा परियोजना के आकडे एकत्रित करने के समय परियोजना दल को सर्तक रहने की बात रखी गई है तथा सम्पूर्ण सहायता का भी आस्वासन प्रदाय किया गया है।